अज पाया तू फकीरा घर फेरा

अज पाया तू फकीरा घर फेरा माँ देना तेरा दे नि सकदे,
लैके खुशियाँ दा आई तू सवेरा माँ देना तेरा दे नही सकदे
अज पाया तू फकीरा घर फेरा माँ

जदो साडी कुटिया च चरण तेरे पाये ने
ऐसी होई रौशनी हनेरे मूक गए ने
तू जो खुशियाँ दा लवा दिता डेरा माँ
देना तेरा दे नही सकदे
अज पाया तू फकीरा घर फेरा माँ

चन्दन घुली हवा तू लाइ ऐसी नाल माँ
जिसने उडाये एथो दु:ख जंजाल माँ
होया रोम रोम कर्ज दार तेरा माँ
देना तेरा दे नही सकदे
अज पाया तू फकीरा घर फेरा माँ

घडी च मुक्दरा दे ताले गए खुल माँ
कखा दा ही पै गया लखा हूँ मूल माँ
किता मेहला जेहा रेहन बसेरा माँ
देना तेरा दे नही सकदे
अज पाया तू फकीरा घर फेरा माँ

ऐसी निर्दोश मेहर होई हर पासे माँ

मुरजाये मुखा उते खिड गए हासे माँ
दिता रेहमता दा धन तू बथेरा माँ
देना तेरा दे नही सकदे
अज पाया तू फकीरा घर फेरा माँ

Source: https://www.bharattemples.com/aj-paya-tu-fakeera-ghaar-phera/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw